महावीरा कृषि समाचार

YEAR 4 | EDITION 9

सितंबर, 2026

www.rmphosphates.com

एग्रीकल्चर News:

चार साल बाद गेहूं के निर्यात को सरकार ने दी हरी झंडी

भारत ने चार साल बाद गेहूं के निर्यात पर लगी रोक हटा दी है। सोमवार को सरकार ने व्हीट एक्सपोर्ट पॉलिसी (Wheat Export Policy) में बदलाव करते हुए गेहूं के निर्यात को तत्काल प्रभाव से 'प्रोहिबिटेड फ्री' कर दिया है।

इस फ़ैसलें में ड्यूरम गेहूं के अलावा, आटा, मैदा, सूजी और होलमील आटा भी शामील है। सरकार के मुताबिक देश में गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन, पर्याप्त बफर स्टॉक और घरेलू बाजार में कम कीमतों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

सरसों की खेती से बढ़ सकती है किसानों की आमदनी

सरसों रबी सीजन की प्रमुख तिलहनी फसलों में से एक है। इसकी अच्छी पैदावार के लिए सही समय पर बुवाई, अच्छी किस्म का चुनाव और संतुलित खाद-पोषण पर ध्यान देना जरूरी है।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, फसल की शुरुआती अवस्था से ही खेत पर नजर रखना चाहिए। सही समय पर सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण और पोषक तत्वों की पूर्ति करने से फसल की बढ़वार अच्छी रहती है और उत्पादन बेहतर मिल सकता है।

सरसों में माहू, सफेद रतुआ और अल्टरनेरिया झुलसा जैसी समस्याएं देखने को मिल सकती हैं। इसलिए खेत का नियमित निरीक्षण करें और रोग या कीट के शुरुआती लक्षण दिखाई देते ही उचित प्रबंधन करें।

RMPCL

तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये,
आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412

MAHAVEERA ZYRON

सरसों की उन्नत खेती की जानकारी -

उपयुक्त भूमि एवं जलवायु

- ठंडा और सूखा मौसम सरसों के लिए अच्छा रहता है।
- दोमट और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी उपयुक्त है।
- खेत में पानी जमा न होने दें।
- बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी रखें।

उन्नत किस्मों का चयन

अपने क्षेत्र के अनुसार उन्नत किस्मों का चयन करें।

खेत की तैयारी

- खेत की अच्छी तरह जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा बनाएं।
- खेत को समतल रखें।
- जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी रखें।

बीज एवं बुवाई

- अच्छी गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज का ही उपयोग करें।
- बुवाई का समय: सितंबर के अंतिम सप्ताह से अक्टूबर के मध्य तक।
- कतार से कतार दूरी 30-40 सेमी रखें।
- पौधों के बीच उचित दूरी बनाए रखें।
- जरूरत से ज्यादा बीज न डालें।

RMPCL
आ गया है एकसाथ 6 पोषक तत्वों वाला 6 Nutrition का Sixer
महावीरा ज़िरोंन पॉवर+ सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

बीज उपचार

बुवाई से पहले बीज का उपचार करने से फसल की शुरुआत अच्छी होती है और शुरुआती रोगों से बचाव में मदद मिलती है।

- बुवाई से पहले अनुशंसित फफूंदनाशी से बीज उपचार करें।
- क्षेत्र की जरूरत के अनुसार जैव उर्वरक का प्रयोग करें।

सिंचाई प्रबंधन

- जरूरत के अनुसार समय पर सिंचाई करें।
- फूल और दाना बनने के समय खेत में नमी की कमी न होने दें।
- जरूरत से ज्यादा पानी न दें।
- खेत में जलभराव से बचाएं।

खरपतवार नियंत्रण

- शुरुआती अवस्था में खरपतवार को नियंत्रित करें।
- समय पर निराई-गुड़ाई करें।
- जरूरत पड़ने पर क्षेत्र की अनुशंसित मात्रा के अनुसार खरपतवारनाशी का प्रयोग करें।

रोग एवं कीट नियंत्रण

मुख्य रोग

- अल्टरनेरिया झुलसा
- सफेद रतुआ
- मृदुरोमिल आसिता

मुख्य कीट

- माहू
- आरा मक्खी
- चितकबरा कीड़ा

खाद और उर्वरक खाद प्रबंधन

सरसों में अच्छी बढ़वार और बेहतर दाने के लिए नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश के साथ सल्फर और बोरॉन का संतुलित उपयोग करें।

सरसों की फसल में पोषक तत्वों का प्रबंधन (अनुशंसित उर्वरक की मात्रा KG 32:16:10) प्रति एकड़

अवधि	Mahaveera Ziron Power Plus	MOP	Urea	Symtron	AMITRON-Z (Zinc + Amino Acid)	Baleco NPK (11:11:08)	Boron 20%	MgSO4
	KG	KG	KG	KG	ML	ML	ML	KG
बुवाई के समय	100	20	15	4	0	0	0	25
25-30 दिन बाद में	0	0	25	0	0	250	0	0
50-55 दिन बाद में	0	0	32	0	250	0	200	0
कुल मात्रा KG/GM/ML	200	100	72	4	250	250	200	25
जल घुलनशील उर्वरक 4-5 ग्राम /लीटर पानी में	45-50 दिन की अवधि मे 12:61:00 का 50-55 दिन की अवधि मे CN+B + 00:52:34 का तथा 70-75 दिन की अवधि मे 13.00.45/00.00.50 का एक छिड़काव अवश्य करे							

कटाई एवं भंडारण

- जब फलियां पीली पड़ने लगें, तब फसल की कटाई करें।
- कटाई के बाद बीज को अच्छी तरह सुखाएं।
- साफ और सूखी जगह पर भंडारण करें।

प्रमाणित सूत्रों के अनुसार सरसों में फलियां फटने से पहले उचित समय पर कटाई करना जरूरी है, क्योंकि देर करने पर दाने झड़ने से नुकसान हो सकता है।

औसतन पैदावार - प्रति एकड़ 10–14 क्विंटल तक उपज।

RMPCL किसान भाइयों की हर परेशानी का सिर्फ एक ही इलाज महावीरा ज़िरोंन, वॉटर सॉलयुबल खाद और सूक्ष्मतत्वों का साथ

महावीरा एग्री एड्वाइज़री

सरसों में माहू (Aphid) कीट के लक्षण एवं उपाय बताए।

लक्षण:

- पत्तियों और फूलों पर छोटे-छोटे कीट दिखाई देते हैं।
- नई पत्तियां सिकुड़ने लगती हैं।
- फूल और फलियों की बढ़वार प्रभावित होती है।
- दाना बनने पर उत्पादन कम हो सकता है।

उपाय:

- फसल की नियमित निगरानी करें।
- खेत में अनावश्यक खरपतवार न रहने दें।
- कीटों का संरक्षण करें।
- कीटों की संख्या स्तर से अधिक होने पर कृषि विशेषज्ञों की सलाह से अनुशंसित कीटनाशी का प्रयोग करें।

प्याज में बैंगनी धब्बा रोग (Purple Blotch) के लक्षण एवं उपाय बताए।

लक्षण:

- पत्तियों पर छोटे बैंगनी-भूरे धब्बे दिखाई देते हैं।
- धब्बे बढ़कर पत्ती को सुखाने लगते हैं।
- अधिक प्रकोप में पौधों की बढ़वार और कंद का विकास प्रभावित होता है।

उपाय:

- खेत में उचित जल निकासी रखें।
- संक्रमित पत्तियों को हटाकर नष्ट करें।
- खेत में अनावश्यक नमी से बचें।
- आवश्यकता अनुसार कृषि विशेषज्ञों की सलाह से अनुशंसित फफूंदनाशी का प्रयोग करें।

RMPCL
किसान भाइयों की हर परेशानी का सिर्फ एक ही इलाज
महावीरा ज़िरोंन, वॉटर सॉलयुबल खाद और सूक्ष्मतत्वों का साथ
MAHAVEERA ZITRON

हल्दी में पत्ती धब्बा रोग (Leaf Spot) के लक्षण एवं उपाय बताए।

लक्षण:

- पत्तियों पर छोटे, भूरे या पीले धब्बे दिखाई देते हैं।
- धब्बे धीरे-धीरे बड़े होने लगते हैं।
- अधिक प्रकोप में पत्तियां सूखने लगती हैं।

उपाय:

- खेत में जलभराव न होने दें।
- रोगग्रस्त पत्तियों को हटाकर नष्ट करें।
- खेत में हवा का उचित आवागमन बनाए रखें।
- आवश्यकता अनुसार कृषि विशेषज्ञ की सलाह से अनुशंसित फफूंदनाशी का प्रयोग करें।

हल्दी में तना एवं प्रकंद सड़न रोग (Rhizome Rot) के लक्षण एवं उपाय बताए।

लक्षण:

- पौधों की पत्तियाँ पीली पड़कर मुरझाने लगती हैं।
- तने का निचला भाग सड़ने लगता है।
- प्रकंद नरम होकर सड़ने लगते हैं।
- अधिक प्रकोप में पौधे सूख जाते हैं।

उपाय:

- खेत में जलभराव न होने दें।
- संक्रमित पौधों को उखाड़कर नष्ट करें।
- स्वस्थ एवं रोगमुक्त प्रकंद का उपयोग करें।
- ट्राइकोडर्मा से मिट्टी/प्रकंद उपचार करें।
- आवश्यकता अनुसार कृषि विशेषज्ञों की सलाह से अनुशंसित फफूंदनाशी का प्रयोग करें।

RMPCL
महावीरा ले कर आया है अपने किसान भाइयों के लिए
उत्तम जल घुलनशील उर्वरक उम्दा क्वालिटी के साथ
MAHAVEERA ZITRON

RMPCL
आ गया है एकसाथ 6 पोषक तत्वों वाला
Nutrition का Sixer
महावीरा ज़िरोंन पॉवर+ सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

महावीरा यशोगाथा

करम सिंह
साहपुर, यमुनानगर
फसल- सरसों
मोबाईल - 9813513514
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन

मैंने अपनी 3 एकड़ सरसों की फसल में महावीरा ज़िरोंन का उपयोग किया और मुझे इसके बहुत अच्छे परिणाम देखने को मिले। सरसों की फसल में अच्छा फुटाव हुआ है और फसल का रंग भी बहुत अच्छा आया है। फसल की बढ़वार देखकर मैं काफी संतुष्ट हूँ।
अब मैं गन्ने और मक्के की फसल में भी महावीरा ज़िरोंन का उपयोग करूँगा। मैं अपने सभी किसान भाइयों को भी सलाह दूँगा कि वे महावीरा ज़िरोन का उपयोग करें और बेहतर परिणाम पाएं।

परमजीत सिंह
रसीदपूर, रूपनगर
फसल- सरसों
मोबाईल - 9877125659
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन

मैंने अपनी सरसों की फसल में 3 बैग प्रति एकड़ और आलू की फसल में 5 बैग प्रति एकड़ महावीरा ज़िरोंन का उपयोग किया और मुझे इसके बहुत अच्छे परिणाम मिले। सरसों की फसल में किसी भी तरह की कमी देखने को नहीं मिली। पहले DAP समय पर नहीं मिल पाता था, जिससे फसल के पोषण में देरी हो जाती थी। महावीरा ज़िरोन मुझे किफायती भी पड़ता है, और इसमें कई ज़रूरी पोषक तत्व होने के कारण मैंने फसल में अलग से सल्फर और पोटाश का उपयोग भी नहीं किया है।
मैं अपने सभी किसान भाइयों से यही कहूँगा कि मुझे महावीरा ज़िरोंन से बहुत अच्छे परिणाम मिले हैं, आप भी इसका उपयोग जरूर करें और बेहतर परिणाम पाएं।

RMPCL
तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412
RMPCL